चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24-8-24	4	5-6

ब्रेन स्टोर्मिंग सत्र में वाइस चांसलर ने कहा

हकृवि को सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए मिलकर प्रयास करें वैज्ञानिक

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में एग्रोनॉमी विभाग द्वारा 'एडवांसिज इन एग्रोनॉमी: चैलेंजिज बीयोंड ए प्लस ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्टोर्मिंग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि जबकि जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। गौरतलब है कि हाल ही में विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड नैब की ओर से ए प्लस ग्रेड दिया गया है।

प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करके समग्र सिफारिशों को खेती में लागू करवाकर सस्य वैज्ञानिक अहम भूमिका निभा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन, मृदा में बढ़ती लवणता व जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नई-नई तकनीक विकसित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने संरक्षित खेती, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। हकृवि को सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए वैज्ञानिक मिलकर प्रयास करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	24-8-24	2	3-5

संरक्षित खेती, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ अधिकारीगण।

हिसार, 23 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में एग्रोनॉमी विभाग द्वारा 'एडवांसिज इन एग्रोनॉमी: चैलंजिज बीयोंड ए+ ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्टोरमिंग सत्र का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि जबकि जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के पूर्व कुलपति डॉ. डी.पी.सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। गौरतलब है कि हाल ही में विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) की ओर से ए प्लस ग्रेड दिया गया है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि को भविष्य में और अधिक प्रभावी बनाने एवं प्रदेश के किसानों को बेहतर कृषि तकनीक उपलब्ध करवाने के बारे में मंथन किया गया।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करके समग्र सिफारिशों को खेती में लागू करवाकर सस्य वैज्ञानिक अहम भूमिका निभा रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन, मृदा में बढ़ती लवणता व जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नई-नई तकनीक विकसित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने संरक्षित खेती, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। कुलपति ने वैज्ञानिकों को किसानों की जरूरतों के हिसाब से शोध करने, शोधार्थियों का मार्गदर्शन करने व विकसित तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए बधाई दी व भविष्य में और बेहतर ढंग से कार्य करने की सलाह भी दी।

डॉ. डी.पी. सिंह ने अपने संबोधन में हकृवि में किए गए अपने कार्यों एवं अनुभवों को सांझा किया। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	24-8-24	5	5-8

हकृवि को सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए मिलकर प्रयास करें वैज्ञानिक : प्रो. काम्बोज

हिसार, 23 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में एग्रोनॉमी विभाग द्वारा 'एडवांसिज इन एग्रोनॉमी: चैलंजिज बीयोंड ए+ ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि जबकि जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। गौरतलब है कि हाल ही में विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) की ओर से ए प्लस ग्रेड दिया गया है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि को भविष्य में और अधिक प्रभावी बनाने एवं प्रदेश के किसानों को बेहतर कृषि तकनीक उपलब्ध करवाने के बारे में मंथन किया गया। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करके समग्र सिफारिशों को खेती में लागू करवाकर सस्य वैज्ञानिक अह्म भूमिका निभा रहे हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ अधिकारी।

हकृवि में 'एडवांसिज इन एग्रोनॉमी : चैलंजिज बीयोंड ए+ ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र आयोजित

जलवायु परिवर्तन, मृदा में बढ़ती लवणता व जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नई-नई तकनीक विकसित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने संरक्षित खेती, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। कुलपति ने वैज्ञानिकों को किसानों की जरूरतों के हिसाब से शोध करने, शोधार्थियों का मार्गदर्शन करने व विकसित तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए बधाई दी व भविष्य में और बेहतर ढंग से कार्य करने की सलाह भी दी। डॉ. डीपी सिंह ने अपने संबोधन में हकृवि में किए गए अपने कार्यों एवं अनुभवों को सांझा करते हुए कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय के कार्यों एवं उपलब्धियों के प्रचार एवं प्रसार के साथ-साथ विद्यार्थियों को अलग-अलग संस्थानों में भ्रमण के माध्यम से नई-नई तकनीक सीखाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने उच्च स्ंस्थानों में किए गए अपने भ्रमण संबंधी अनुभव सांझा किए। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कृषि क्षेत्र में जल संरक्षण पर अपने विचार रखे व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि तकनीकों को किसानों तक जल्दी से जल्दी पहुंचाने पर अपने विचार रखे। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके ठकराल ने कार्यक्रम में सभी वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों का स्वागत करते हुए विभाग की उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. वीरेन्द्र हुड्डा ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई ए प्लस ग्रेड की उपलब्धि को कविता के माध्यम से सभी के सामने रखा। मंच का संचालन डॉ. प्रवीण कुमार ने किया व डॉ. एसके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	24-8-24	2	1-3

मिट्टी की लवणता के प्रभाव को कम करना जरूरी

एचएयू में 'एडवांसिज इन एग्रोनॉमी : चैलंजिज बीयोंड ए+ ग्रेड' विषय पर बोले प्रो. बीआर कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में एग्रोनॉमी विभाग की ओर से 'एडवांसिज इन एग्रोनॉमी : चैलंजिज बीयोंड ए+ ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज मुख्य अतिथि, जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

प्रो. कांबोज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, मृदा में बढ़ती लवणता व जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नई-नई तकनीक विकसित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने संरक्षित खेती, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करनी होंगी डॉ. डीपी सिंह ने अपने संबोधन में एचएयू में किए गए अपने कार्यों एवं अनुभवों को सांझा करते हुए कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के ए+प्लस ग्रेड को भविष्य में और अधिक प्रभावी बनाने एवं प्रदेश के किसानों को बेहतर कृषि तकनीक उपलब्ध करवाने के बारे में मंथन किया गया।

एचएयू में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. कांबोज व अन्य। स्रोत : संस्थान

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	24.8.24	4	5-8

उद्यमिता से हम देश को सशक्त बना सकते हैं : कुलपति

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय के सभागार में विश्व उद्यमी दिवस पर छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा एक गोष्ठी का आयोजन किया। 'भारत @-2047 समृद्ध एवं महान भारत' विषय पर आयोजित इस गोष्ठी में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत। मुख्य वक्ता आर्थिक विशेषज्ञ सतीश कुमार रहे।

कुलपति ने कहा कि उद्यमिता के माध्यम से हम देश को सशक्त व महान बना सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र की प्रगति एवं समृद्धि के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य करें ताकि वर्ष 2047 तक भारतवर्ष को विकसित राष्ट्र बनाया जा सके।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज पुस्तक का विमोचन करते हुए।

मुख्य वक्ता सतीश कुमार ने कहा कि समृद्ध एवं महान भारत बनाने के लिए स्वावलंबी भारत अभियान योजनबद्ध ढंग से समुचे देश में चलाया जा रहा है। हकृवि के रिटायर्ड प्रोफेसर डा. वीपी लोहाच ने बताया कि स्वावलंबी भारत अभियान के चार पिल्लर बताए जिनमें स्वदेशी, विकेंद्रीकरण, उद्यमिता और सहकारिता शामिल है। सामाजिक कार्यकर्ता कुलदीप पुनिया ने कहा कि वे संकल्प लेकर जाए कि नौकरी लेने वाला नहीं-नौकरी देने वाला बनूंगा।

हकृवि को सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास करें वैज्ञानिक

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में एग्रोनामी विभाग द्वारा 'एडवांसिज इन एग्रोनामी: चैलंजिज बीयोंड ए प्लस ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र का आयोजन किया। मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हकृवि को सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए वैज्ञानिक प्रयास करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
धरि. भूमि	24-8-24	9	1-4

एचएयू में चैलेंजिंग बियोंड ए प्लस ग्रेड पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र

किसानों को केंद्र में रख करें शोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

एचएयू प्रो. बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को किसानों की जरूरतों के हिसाब से शोध करने, शोधार्थियों का मार्गदर्शन करने व विकसित तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक व शोधार्थी भविष्य में और बेहतर ढंग से कार्य करें।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज शुक्रवार को कृषि महाविद्यालय में एग्रोनॉमी विभाग की ओर से 'एडवांसिज इन एग्रोनॉमीः चैलंजिज बीयोंड ए प्लस ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि थे जबकि जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) की ओर से दिए गए ए प्लस ग्रेड पर मंथन करते हुए भविष्य में और अधिक प्रभावी बनाने एवं प्रदेश के किसानों को बेहतर कृषि तकनीक उपलब्ध करवाने के बारे पर विचार रखे गए।

किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध कर समग्र सिफारिशों को खेती में लागू करवाकर सस्य वैज्ञानिक अहम भूमिका निभा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन, मृदा में बढ़ती लवणता व जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नई-नई तकनीक विकसित करने की आवश्यकता पर जोर पर दिया। संरक्षित खेती, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया।

उपलब्धियों को प्रभारी बनाने को किया प्रेरित

कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित किया। अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने उच्च संस्थानों में किए गए अपने भ्रमण संबंधी अनुभव सांझा किए। इस मौके पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके ठकराल, डॉ. वीरेन्द्र हुड्डा आदि उपस्थित रहे।

कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों पर की चर्चा

डॉ. डीपी सिंह ने अपने संबोधन में हकृवि में किए गए अपने कार्यों एवं अनुभवों को सांझा करते हुए कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय के कार्यों एवं उपलब्धियों के प्रचार एवं प्रसार के साथ-साथ विद्यार्थियों को अलग-अलग संस्थानों में भ्रमण के माध्यम से नई-नई तकनीक सीखाने के लिए प्रेरित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	24.8.24	11	1

'हकृवि को सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास करें वैज्ञानिक'

हिसार, 23 अगस्त (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) स्थित कृषि महाविद्यालय में एग्रोनॉमी विभाग ने 'एडवांसिज़ इन एग्रोनॉमीः चैलंजिज़ बीयोंड ए+ ग्रेड विषय पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि, जबकि जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) की ओर से ए प्लस ग्रेड दिया गया है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि को भविष्य में और अधिक प्रभावी बनाने एवं प्रदेश के किसानों को बेहतर कृषि तकनीक उपलब्ध करवाने के बारे में मंथन किया गया।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय को सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए वैज्ञानिक मिलकर प्रयास करें। उन्होंने बताया कि किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करके समग्र सिफारिशों को खेती में लागू करवाने में वैज्ञानिक अहम भूमिका निभा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	23.08.2024	---	--

हकृवि को सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए मिलकर प्रयास करें वैज्ञानिक : प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 23 अगस्त। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में एग्रोनॉमी विभाग द्वारा 'एडवांसिज़ इन एग्रोनॉमी- चैलंजिज़ बीयोंड ए+ ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि जबकि जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। गौरतलब है कि हाल ही में विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) की ओर से ए प्लस ग्रेड दिया गया है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि को भविष्य में और अधिक प्रभावी बनाने एवं प्रदेश के किसानों को बेहतर कृषि तकनीक उपलब्ध करवाने के बारे में मंथन किया गया। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करके समग्र सिफारिशों को खेती में लागू करवाकर सस्य वैज्ञानिक अहम भूमिका निभा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन, मृदा में बढ़ती लवणता व जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नई-नई तकनीक विकसित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने संरक्षित खेती, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। कुलपति ने वैज्ञानिकों को किसानों की जरूरतों के हिसाब से शोध करने, शोधार्थियों का मार्गदर्शन करने व विकसित तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए बधाई दी व भविष्य में और बेहतर ढंग से कार्य करने की सलाह भी दी। डॉ. डीपी सिंह ने अपने संबोधन में हकृवि में किए गए अपने कार्यों एवं अनुभवों को सांझा करते हुए कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय के कार्यों एवं उपलब्धियों के प्रचार एवं प्रसार के साथ-साथ विद्यार्थियों को अलग-अलग संस्थानों में भ्रमण के माध्यम से नई-नई तकनीक सीखाने के लिए प्रेरित किया। मंच का संचालन डॉ. प्रवीण कुमार ने किया व डॉ. एसके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	23.08.2024	---	--

हकृवि को सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए मिलकर प्रयास करें वैज्ञानिकः प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में एग्रोनॉमी विभाग द्वारा 'एडवांसिज़ इन एग्रोनॉमीः चैलेंजिज़ बीयोंड ए+ ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्ट्रोमिंग सत्र का आयोजन किया गया। इसमें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि जबकि जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। प्रो. काम्बोज ने बताया कि किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करके समग्र सिफारिशों को खेती में लागू करवाकर सस्य वैज्ञानिक अहम भूमिका निभा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन, मृदा में बढ़ती लवणता व जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नई-नई तकनीक विकसित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने संरक्षित खेती, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया।

डॉ. डीपी सिंह ने हकृवि में किए गए अपने कार्यों एवं अनुभवों को सांझा करते हुए कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय के कार्यों एवं उपलब्धियों के प्रचार एवं प्रसार के साथ-साथ विद्यार्थियों को अलग-अलग संस्थानों में भ्रमण के माध्यम से नई-नई तकनीक सीखाने के लिए प्रेरित किया। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने उच्च संस्थानों में किए गए अपने भ्रमण संबंधी अनुभव साझा किए। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कृषि क्षेत्र में जल संरक्षण पर अपने विचार रखे व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि तकनीकों को किसानों तक जल्दी पहुंचाने पर अपने विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष न्यूज	24.08.2024	---	--

हकृवि को सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए मिलकर प्रयास करें वैज्ञानिक : प्रो. बी. आर. काम्बोज

हकृवि में 'एडवांसिज इन एग्रोनॉमी: चैलंजिज बीयोंड ए+ ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्टोरमिंग सत्र का आयोजन

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 24 अगस्त : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय में एग्रोनॉमी विभाग द्वारा 'एडवांसिज इन एग्रोनॉमी: चैलंजिज बीयोंड ए+ ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्टोरमिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि जबकि जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। गौरतलब है कि हाल ही में विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) की ओर से ए प्लस ग्रेड दिया गया है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि को भविष्य में और अधिक प्रभावी बनाने एवं प्रदेश के किसानों को बेहतर कृषि तकनीक उपलब्ध करवाने के बारे में मंथन किया गया।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करके समग्र सिफारिशों को खेती में लागू करवाकर सस्य वैज्ञानिक अहम

भूमिका निभा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन, मृदा में बढ़ती लवणता व जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नई-नई तकनीक विकसित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने संरक्षित खेती, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। कुलपति ने वैज्ञानिकों को किसानों की जरूरतों के हिसाब से शोध करने, शोधार्थियों का मार्गदर्शन करने व विकसित तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए बधाई दी व भविष्य में और बेहतर ढंग से कार्य करने की सलाह भी दी।

डॉ. डीपी सिंह ने अपने संबोधन में हकृवि में किए गए अपने कार्यों एवं अनुभवों को सांझा करते हुए कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय के कार्यों एवं उपलब्धियों के प्रचार एवं प्रसार के साथ-साथ विद्यार्थियों को अलग-अलग संस्थानों में भ्रमण के माध्यम से नई-नई तकनीक सीखाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने उच्च संस्थानों में किए गए अपने भ्रमण संबंधी अनुभव सांझा किए। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कृषि क्षेत्र में जल संरक्षण पर अपने विचार रखे व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि तकनीकों को किसानों तक जल्दी से जल्दी पहुंचाने पर अपने विचार रखे। सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एसके ठकराल ने कार्यक्रम में सभी वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों का स्वागत करते हुए विभाग की उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. वीरेन्द्र हुड्डा ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई ए प्लस ग्रेड की उपलब्धि को कविता के माध्यम से सभी के सामने रखा। मंच का संचालन डॉ. प्रवीण कुमार ने किया व डॉ. एसके शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	23.08.2024	---	--

| हिसार : एचएयू को सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए मिलकर प्रयास करें वैज्ञानिक : प्रो. बीआर कम्बोज

'एडवांसिज़ इन एग्रोनॉमी: चैलंजिज़ बीयोंड ए+ ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र का आयोजन

हिसार, 23 अगस्त (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने वैज्ञानिकों व शोधार्थियों को किसानों की जरूरतों के हिसाब से शोध करने, शोधार्थियों का मार्गदर्शन करने व विकसित तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक व शोधार्थी भविष्य में और बेहतर ढंग से कार्य करें।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज शुक्रवार को कृषि महाविद्यालय में एग्रोनॉमी विभाग की ओर से 'एडवांसिज़ इन एग्रोनॉमी: चैलंजिज़ बीयोंड ए+ ग्रेड' विषय पर ब्रेन स्ट्रोरमिंग सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि थे, जबकि जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के पूर्व कुलपति डॉ. डीपी सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (नैब) की ओर से दिए गए ए प्लस ग्रेड पर मंथन करते हुए भविष्य में और अधिक प्रभावी बनाने एवं प्रदेश के किसानों को बेहतर कृषि तकनीक उपलब्ध करवाने के बारे पर विचार रखे गए।

प्रो. बीआर कम्बोज ने बताया कि किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करके समग्र सिफारिशों को खेती में लागू करवाकर सस्य वैज्ञानिक अह्म भूमिका निभा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन, मृदा में बढ़ती लवणता व जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नई-नई तकनीक विकसित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने संरक्षित खेती, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली कृषि पद्धतियां विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया।